श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 23 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 मार्च 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

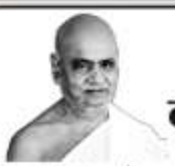

फतापुरा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की पावन निश्रा में भव्य प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव

उदयपुर, (स. सं),

राजस्थान की धर्मधरा फतापुरा नगरी में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा., भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, सूरिमन्त्र आराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणि भगवन्त की पावन निश्रा में श्री पार्श्वनाथ आदि जिनबिम्ब, गणधर व गुरुबिम्ब आदि की प्रतिष्ठांजनशलाका दिनांक 15-2-2019 से 22-2-2019 तक अष्टाह्निका महोत्सव के साथ सानन्द सम्पन्न हुआ।

महोत्सव का शुभारम्भ आचार्यद्वय आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के भव्य मंगल प्रवेश के साथ हुआ। मंगल प्रवेश श्रीसंघ द्वारा भव्य सामैयापूर्वक कराया गया।मंगल प्रवेश के प्रसंग पर निकटवर्ती नगरों से विशाल संख्या में गुरुभक्त पधारे। महिलाओं ने मंगल कलश सिर पर धारण कर गुरु भगवन्तों की अगवानी करते हुए बधाया। सामैया नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ मन्दिरजी पहुँचा। मार्ग में अनेक

स्थानों पर गुरु भगवन्तों को गहुँली कर बधाया। पूरे सामैया में गुरुभक्त नाचते हुए अपनी प्रसन्नता दर्शाते हुए जयघोष कर रहे थे।

प्रतिष्ठांजनशलाका के आठों दिवस आचार्यद्वय की शुभनिश्रा में अनेक धार्मिक अनुष्ठान हुए जिसमें प्रतिदिन प्रवचन, विविध पूजाएँ, भक्ति, मनमोहक अंगरचना आदि कार्यक्रम हुए। विभिन्न संगीतकारों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से सभी को आकर्षित किया।

दिनांक 20-2-2019 को गुरु भगवन्तों की निश्रा में भव्यातिभव्य

अंजनशलाका प्रतिष्ठा का भव्य वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़े में आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के साथ हाथी, घोड़े, रथ, बैण्ड, ढोल-ढमाकों के साथ गुरुभक्त पूरे वातावरण को जयघोष के नाद से गुँजायमान कर रहे थे। गुरुभक्त पूरे मार्ग में नृत्य कर रहे थे तो वहीं महिलाएँ पारम्परिक वेश में सिर पर कलश धारण करते हु गीत गान कर रही थीं। वरघोड़ा नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ आयोजन स्थल पर पहुँचा। वरघोड़े में अनेक नगरों के श्रीसंघ एवं गुरुभक्त भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री फतापुरा जैन श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठांजनशलाका समारोह में अनेक गणमान्य उपस्थित थे। वरघोड़े के पश्चात् आयोजित धर्मसभा में धर्मदिवाकर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि फतापुरा में दादा गुरुदेव एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव का आशीर्वाद रहा है और उन्हीं के शुभाशीर्वाद से ऐतिहासिक प्रतिष्ठांजनशलाका होने जा रही है। आप सबकी गुरुभक्ति अनुमोदनीय है।

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरुकृपा सबको प्राप्त नहीं होती है, जिसकी गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण होता है वह गुरुकृपा को प्राप्त कर लेता है और फतापुरा संघ की गुरुभक्ति में कोई सन्देह नहीं है यह भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव साक्षी है।

महोत्सव के अन्तर्गत प्रतिदिन आचार्य भगवन्तों की निश्रा में कुम्भ स्थापना, दीपक स्थापना, नवग्रह पाटला स्थापना, अष्टमंगल पाटला स्थापना, दशदिग्पाल पाटला स्थापना, बीस स्थानक पाटला स्थापना, सिद्धचक्र पाटला स्थापना, नन्दावर्त्त पाटला स्थापना, च्यवन कल्याणक महोत्सव, प्रभु के जन्मोत्सव, छप्पन दिक्कुमरियों द्वारा नाट्यकला का मंचन, इन्द्राणी द्वारा जन्मोत्सव का सुन्दर नाट्य मंचन, प्रभु का नामकरण, दीक्षा आदि कार्यक्रम विधिविधान के साथ सम्पन्न हुए। सभी कार्यक्रमों के लाभार्थी परिवारों का श्रीसंघ की ओर से बहुमान किया गया।

प्रतिष्ठा निमित्त मेहन्दी वितरण का कार्यक्रम भी हुआ। सभी श्राविकाओं ने उत्साह एवं उमंग से मेहन्दी ग्रहण कर अपने हाथों पर मेहन्दी रचाई।

विधि विधान के साथ अंजन विधान आचार्य भगवन्तों द्वारा किया गया। प्रतिष्ठा के दिन आचार्य भगवन्तों द्वारा विधिविधान के साथ शुभ मुहूर्त्त में श्री पार्श्वनाथ आदि जिन बिम्बों एवं गणधर भगवन्त सह श्री राजेन्द्रसूरिजी आदि गुरुभगवन्तों की प्रतिमाजी की हर्षोल्लास के वातावरण में प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। अनेक नगरों से गुरुभक्त फतापुरा नगर में आयोजित इस प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारे। जैसे ही पार्श्वनाथ प्रभुजी और गुरुदेव गादीनशीन हुए तो उपस्थित गुरुभक्तों के जयघोष से पूरा नगर ॐ पुण्याहं, ॐ पुण्याहं के घोष एवं जयकारों के स्वरों से गुँजायमान हो गया। प्रतिष्ठा के दूसरे दिन गुरु भगवन्तों एवं सकल श्रीसंघ के साथ लाभार्थी परिवार द्वारा द्वारोद्घाटन किया गया।

प्रतिष्ठांजनशलाका के निमित्त श्रीसंघ द्वारा पूरे फतापुरा नगर को रंग-बिरंगे डेकोरेशन एवं आकर्षक लाईटों से सुसज्जित किया जिसकी सभी आगन्तुकों एवं नगरवासियों ने सराहना की।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में रानी में गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का रानी नगर में आयोजित गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु दिनांक 27-2-2019 को सामैया के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

दिनांक 1-3-2019 को गच्छाधिपतिश्री की पावन निश्रा में लाभार्थी परिवार द्वारा गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा सम्पन्न होगी। भव्य मंगल प्रवेश पर विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

अतिप्राचीन भाण्डवपुर महातीर्थ में सन्तों का मधुर मिलन

उदयपुर (स.सं.)

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में विहारानुक्रम में सन्तों का आगमन निरन्तर होता रहता है। विहारानुक्रम में श्रमणसंघीय उपाध्यायप्रवर श्री रमेशमुनिजी म. सा. एवं श्री दीपेशमुनिजी म. सा. का आगमन तीर्थ परिसर में हुआ।

तीर्थ परिसर में विराजित कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. के साथ ट्रस्ट मण्डल ने उपाध्यायप्रवरश्री की वन्दना करते हुए सुखशाता पृच्छा की।

उपाध्यायप्रवरश्री एवं श्री दीपेशमुनिजी म. सा. का मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. के साथ मधुर मिलन हुआ और अपने आत्मीय मिलन में परस्पर ज्ञानचर्चा आदि के साथ तीर्थ की जानकारी प्राप्त की।

उपाध्यायप्रवरश्री ने तीर्थ की परिकल्पना के लिए भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. को अपनी आत्मीय शुभकामना एवं बधाई देते हुए कहा कि मरुधर में ऐसे महान तीर्थ को एक महातीर्थ का रूप दिया जा रहा है वह प्रशंसनीय और अनुमोदनीय है। इस तीर्थ स्थल की रमणियता और यहाँ का परिवेश ही ऐसा है कि जो भी इस माटी का स्पर्शन करता है तो परम शान्ति का अनुभव करता है। इस धरा पर साधना-आराधना करने का मन स्वतः ही बन जाता है क्योंकि तीर्थाधिपति श्री महावीर के अतिरिक्त यह भूमि पर गुरुओं के पुण्य से सरोबार है।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि शान्त एवं साधना की पुण्य स्थली इस महातीर्थ पर उपाध्यायप्रवरश्री रमेशमुनिजी म. सा. ने होली चातुर्मास तीर्थ भूमि पर करने की भावना प्रकट की।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com

+91-7340009222 | www.bhandavpur.com

पेढ़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer

पाटण में मुनिराजश्री की निश्रा में शिक्षण संकुल का लोकार्पण

उदयपुर (स.सं.)

गुजरात के पाटण नगर में पाटण जैन मण्डल द्वारा संचालित कॉलेज ऑफ कॉमर्स, कॉलेज ऑफ साईन्स, कॉलेज ऑफ आर्ट्स का लोकार्पण समारोह प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर

धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में पाटण जैन संघ के अग्रणी श्रावक-श्राविकाओं और स्थानीय हजारों नागरिकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

लोकार्पण समारोह मुनिराजश्री के मंगलाचरण से प्रारम्भ हुआ। मुनिश्री ने संस्कार, संस्कृति एवं शिक्षा विषय पर प्रेरक प्रवचन प्रदान किया। इस प्रसंग पर श्री हेमचन्द्राचार्य युनिवर्सिटी के कुलपति श्री बी. डी. प्रजापति, नगरपालिका अध्यक्ष श्री महेन्द्र पटेल, पाटण जैन मण्डल के अध्यक्ष श्री दिनेशभाई मन्त्री श्री राजेन्द्रभाई एवं अनेक राजकीय, सामाजिक एवं अग्रणीय उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार एवं पाटण जैन संघ के मुम्बई स्थित अग्रणियों की विशाल उपस्थिति रही।

इस अवसर पर पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

36 वें पाटोत्सव पर आयोजन

उदयपुर (स.सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36वें पाटोत्सव दिवस के उपलक्ष्य में राणापुर (म. प्र.) में अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् द्वारा श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय के श्री यतीन्द्र ज्ञान मन्दिर में सामूहिक प्रतिक्रमण का आयोजन किया, जिसमें 25 श्रावक-श्राविकाओं और पाठशाला के बच्चों ने प्रतिक्रमण किया। प्रतिक्रमण के पश्चात् पुण्य-सम्राट की आरती की गई।

सायं श्री राजराजेन्द्र गोपाल गौशाला में परिषद् की ओर से गायों को गौग्रास खिलाया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठगण एवं परिषद् परिवार के सदस्य उपस्थित थे। परिषद् के द्वारा 12 बीमार और कमजोर गायों को लाभार्थियों के माध्यम से खरीद कर श्री राजराजेन्द्र गोपाल गौशाला में भेजा गया। स्मरण रहे कि 1 माह में राणापुर परिषद् द्वारा 23 गायों को लाभार्थियों के माध्यम से खरीद कर गौशाला में भिजवाया है। परिषद् अध्यक्ष श्री पवन नाहर ने सभी लाभार्थियों का परिषद् की ओर से बहुमान किया।

पुलवामा के आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को यतीन्द्र वाणी परिवार मोटेरा-अहमदाबाद की ओर से शत-शत नमन सह श्रद्धा-सुमन अर्पित !

-सम्पादक

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।

कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991

e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

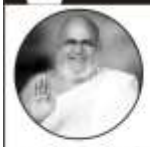

36 गुणधारी पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री का 36 वाँ पाटोत्सव दिवस अनेक आयोजनों के साथ उत्साह-उमंग से मनाया

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. साहित्य-मनीषी, विशाल गच्छाधिपति, राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के 36 वें पाटोत्सव दिवस पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से देश के अनेक स्थानों में विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री द्वारा पल्लवित परिषद् परिवार इस दिवस को सामूहिक सामायिक के साथ ही अनेक कार्यक्रमों के साथ मनाया। इसके अतिरिक्त गुरुभक्तों ने एकासना, आयम्बिल, गुरु गुणानुवाद, अनुकम्पा दान, गुरु भक्ति, सामूहिक आरती, पूजन आदि धार्मिक एवं जनकल्याणकारी आयोजन कर अपने-अपने नगर में उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। प्राप्त समाचारों को प्रकाशित किया जा रहा है। -स. सम्पादक

रतलाम (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटोत्सव दिवस पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् व परिषद् परिवार रतलाम द्वारा बिबड़ोद रोड़ स्थित श्री जयन्तसेन धाम तीर्थ पर अनेक कार्यक्रमों के साथ नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के साथ उत्साह से मनाया गया। प्रातः 7 बजे भक्तामर पाठ, नवकारसी, 10 बजे श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजन महिला मण्डल द्वारा पढ़ाया गया। 10.30 बजे चारों परिषदों की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह श्री सुधीर लोढ़ा, महामन्त्री, परिषद् ईकाई म. प्र. के मुख्य आतिथ्य एवं शपथ अधिकारी श्री सुशील छाजेड़, रा. जनकल्याण मन्त्री की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सेवा गतिविधियों के रूप में शासकीय स्कूल, काटजूनगर में बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरीत की गई एवं अतिथियों द्वारा श्री यतीन्द्र ज्ञानपीठ परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। तरुण परिषद् द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

श्री राजेन्द्र आराधना भवन, कुँअर मण्डली, इन्दौर में शाखा परिषद् की ओर से सामूहिक सामायिक एवं गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। सभा में अनेक वक्ताओं ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के व्यक्तित्व एवं कृर्तृत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जिनशासन का एक महान गुरु बताते हुए कहा कि पुण्योदय से ऐसे गुरु मिलते हैं और हम सब भाग्यशाली हैं जिन्हें ऐसे गुरुदेव का शुभाशीर्वाद प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर आयोजित नवकारसी का लाभ श्रीश्रीमाल परिवार (टाण्डा वाला) ने लिया।

मन्दसौर (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटोत्सव दिवस पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् व परिषद् परिवार द्वारा श्री राजेन्द्र-जयन्त पौषधशाला, जनकूपुरा मन्दसौर में प्रातः 7 बजे भक्तामर पाठ, 8 से 10 बजे सामूहिक सामायिक एवं सामायिक के पश्चात् गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद् परिवार के अतिरिक्त अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

जावरा (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटोत्सव दिवस के उपलक्ष्य में श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार द्वारा जीवदया सोसायटी में गायों को गुड़ एवं चारा खिलाया गया एवं अन्नक्षेत्र पर गरीब एवं असहायजनों को भोजन कराया गया। सामाजिक एवं गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें श्रीसंघ एवं परिषद् के सभी साथी उपस्थित थे।

मैसूर (कर्नाटक)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटगादी महोत्सव अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद्, मैसूर द्वारा पाँजरापोल गौशाला में मनाया गया। इस अवसर पर परिषद् द्वारा 5100 रुपये दान किए गए एवं 500 मौन सामायिक करने वालों का बहुमान किया गया। महिलाओं द्वारा एक वर्ष में कुल 32000 सामायिक की गई तथा 500 मौन सामायिक पूर्ण करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर पाँजरापोल ट्रस्टी, मैसूर नवयुवक परिषद्, दक्षिण प्रान्त अध्यक्ष श्रीमती बबिताबेन सालेचा, महामन्त्री श्रीमती ऊषाबेन वोरा, कोषाध्यक्ष श्रीमती विमलाबेन बाफना व मैसूर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती कंचनबेन झोटा, सचिव श्रीमती हेमाबेन श्रीश्रीमाल व परिषद् परिवार के सदस्य एवं सामायिक मण्डल की बहिनें उपस्थित थी।

बीजापुर (कर्नाटक)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटगादी महोत्सव पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद्, शाखा बीजापुर द्वारा बालिका आश्रम में जाकर भोजन करवाया गया।

सायला (राज.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटोत्सव दिवस पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन बालिका परिषद्, सायला द्वारा अनुकम्पा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर गुरु पूजा पढ़ाई गई एवं गौशाला में जाकर गायों को गुड़ व घास खिलाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष सोनू चौपड़ा एवं उपाध्यक्ष सुरभि फोलामुथा व परिषद् की बालिकाएँ उपस्थित थी।

बेंगलूर (कर्नाटक)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटगादी महोत्सव पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक एवं महिला परिषद्, बेंगलूर द्वारा अनुकम्पा दिवस के रूप में मनाया गया। सरजापुर रोड़ स्थित डोमनसन्दरा की माध्यम गौशाला में नवयुवक एवं महिला परिषद् सदस्यों ने एकत्रित होकर 51000 रुपयों का दान दिया तथा सर्वप्रथम कपिला गाय की पूजा करने के पश्चात् गायों को फलाहार, गुड़-रोटी, केले, ककड़ी खिलाई एवं पक्षियों को दाना डाला।

दोपहर 2 बजे सामूहिक सामायिक में सैकड़ों महिलाओं ने सामायिक की। सभी को लाभार्थी परिवार द्वारा प्रभावना वितरीत की गई। इस अवसर पर महिला परिषद् अध्यक्ष श्रीमती प्रेमा जैन ने जानकारी दी कि परिषद् द्वारा श्री यतीन्द्र ज्ञानपीठ परीक्षा जून माह में होगी, सभी महिलाओं को धार्मिक स्वाध्याय में जुड़ने हेतु आह्वान किया।

मामूलपेठ में आयोजित गुणानुवाद सभा की अध्यक्षता परिषद् के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री बाबूलाल सिवानी ने की। गुणानुवाद सभा में परिषद् के पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री मैरूलाल सेठ ने विनय और विवेकपूर्वक समाज में परिषद् के माध्यम से परस्पर सौहार्द्र बढ़ाने के ऐसे आयोजनों को समय की आवश्यकता बताया। परिषद् के राष्ट्रीय मन्त्री श्री प्रकाश हिराणी ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अविस्मरणीय संस्मरण बताकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। श्री हिराणी ने कहा कि देश में परिषद् की लगभग 360 शाखाओं द्वारा आज का दिवस पाटगादी महोत्सव के रूप में तप-त्याग-दान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जा रहा है। महिला परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती प्रेमाबाई मुथा ने स्वागत किया। अन्त में धार्मिक प्रश्नोत्तरी एवं हाऊजी प्रतियोगिता के प्रथम 3-3 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन के लाभार्थी श्री नेमिचन्द संघवी परिवार का बहुमान किया गया।

परिषद् की ओर से पुलवामा के आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों की स्मृति में मौनसभा आयोजित कर 13-13 नवकार मन्त्र का सामूहिक जाप कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पाटण (गुजरात)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 36 वें पाटगादी महोत्सव पर पाटण में अध्ययनरत विराजित पुण्य-सम्राटश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्मदिवाकर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं मण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में श्री विस्तुतिक संघ द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें पंचासरा जिनालय में परमात्मा की अंगरचना एवं जीवदया के कायक्रम का लाभ थराद निवासी देसाई श्री हीरालाल राजमलभाई परिवार (मुम्बई-सूरत) वालों ने और पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की आरती का लाभ श्रीसंघ पाटण ने लिया।

|| श्री महावीरस्वामिने नमः ||

तपोभूमि, पाटगादी, पुण्यभूमि

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में

दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी गुरु मन्दिर
पुण्य-सम्राटश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.
समाधि मन्दिर निर्माण शुभारम्भ-भट मुहूर्त्त प्रसंगे

फाल्गुन शुक्ला 3, शनिवार, दि. 9 मार्च 2019 प्रातः 9.30 बजे

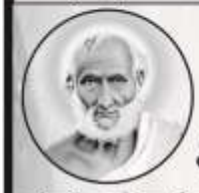

भावभरा आमन्त्रण

दोनों मन्दिर निर्माण के प्रथम पाषाण मण्डाण की बोली प्रातः 8.30 बजे बोली जावेगी।

दिव्यकृपा
प. पू. तपसम्राट योगिराज श्री शान्तिविजयजी म. सा.

आशीर्वाद
प. पू. गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

शुभनिश्रा
प. पू. संघ हितचिन्तक, एकता के शिल्पी, सूरिमन्त्र आराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

गुरु एवं समाधि मन्दिर के निर्माण शुभारम्भ प्रसंग पर आप सपरिवार अवश्य पधारिये।

आयोजक-आमन्त्रक
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
भाण्डवपुर तीर्थ, जिला- जालोर (राज.)
सम्पर्क सूत्र : 7340019703/4/5

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर
भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी आचार्यदेवेश

श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

❊ विहार कार्यक्रम ❊

23-2-2019 - श्री गौड़ीपार्श्वनाथ-राजेन्द्रसूरि मातुश्री धाम, आकोली 8 वाँ वार्षिक ध्वजारोहण।

24-2-2019 - बाकरा रोड़, बाकरा गाँव होकर रेवतड़ा।

25-2-2019 - सायला, रात्रि विश्राम चौराऊ।

26-2-2019 - भाण्डवपुर महातीर्थ में 2 मार्च 2019 तक।

3-3-2019 - भाण्डवपुर महातीर्थ से विहार।

4-3-2019 - अमरसर (सरत) में प्रवेश, मुमुक्षु काजलकुमारी सदाणी के दीक्षा निमित्त पंचाह्निका महोत्सव हेतु।

6-3-2019 - धानसा।

7-3-2019 - थलवाड़ में प्रवेश।

8-3-2019 - श्री आदिनाथ जिनालय का शिलान्यास पश्चात् विहार कर रात्रि विश्राम भाण्डवपुर महातीर्थ।

9-3-2019 - दोनों मन्दिरों का भट (निर्माण शुभारम्भ) मुहूर्त्त बाद विहार कर रात्रि विश्राम दासपा या भागल।

10-3-2019 - भीनमाल महावीरजी में प्रवेश पूजा, प्रवचन एवं स्वामीवात्सल्य, आयोजक- श्रीमती मंजूदेवी रमेशजी कोलचन्दजी बाफना, भीनमाल।

11-3-2019 - श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, डोरडा (झरडाजी) में प्रवेश।

13-3-2019 - साँचा श्री सुमतिनाथ जिनालय प्रतिष्ठा आयोजक-श्रीमती मंजूदेवी रमेशजी कोलचन्दजी बाफना, भीनमाल।

आयोजक-आमन्त्रक
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
भाण्डवपुर तीर्थ, जिला- जालोर (राज.)

स्थायी सम्पर्क सेवाभावी
धर्मेन्द्र 7340019706

योगी-वाणी

सृष्टि कितनी भी परिवर्तित हो जाए किन्तु फिर भी हम सुखी नहीं हो सकते।

परन्तु दृष्टि थोड़ी-सी भी परिवर्तित हो जाए तो हम सुखी हो सकते हैं

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट '**यतीन्द्र वाणी**' के नाम से भेजे।

❊ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ❊ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....

.....

.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित